कोरोना को भगाना

फूल आज भी खिलते है
पंछी भी हवा में उड़ते है,
आकाश में चाँद तारों को
सूरज भी रोशनी देता है,
हर छोटा बड़ा इंसान यहाँ
जीवन अपना ही जीता है,
कोरोना के भंवर जाल में
अपना तन सब ढकते है,
भूखे गरीब की सेवा करो
भगवान सभी से कहते है,
बुरे समय ने तन ढकने की
फितरत होती इंसान की,
जो भूखे प्यासे का पेट भरे
यह बात बड़े अभिमान की,
धरती की हर फसलों पर
सब जीवों का अधिकार है,
कोरोना वाइरस के संकट में
सेवा करना ही बड़ा काम है,
दूरी बना कर घर में रहकर
नियमित हाथों को धोना है,
मास्क लगा हाथ जोड़कर
कोविड को भगा के जीना है,

✍ गोपाल कृष्ण व्यास